कब मिलोगे सांवरे | by Uma Lahari

ढूंढती फिरती हूँ तुझको कब मिलोगे सांवरे
क्यूँ कहीं दिखते नहीं हो, नैना हुए मेरे बावरे
ढूंढती फिरती हूँ तुझको.....

द्वारका मथुरा गई मैं बरसाने गोकुल गई
मीरा तो बन पाई मैं ना देख रे क्या बन गई
हे कन्हैया बंसी बजैया दुखने लगे मेरे पाँव रे
ढूंढती फिरती हूँ तुझको.....

आरज़ू देखूं तुझे अब मन कहीं लगता नहीं
देख ली दुनिया तेरी पर चैन भी मिलता नहीं
हर घडी बस आस तेरी बैठी कदम्ब की छाँव रे
ढूंढती फिरती हूँ तुझको.....

तुम तो घट घट में बसे हो फिर प्रभु देरी ये क्यूँ
सांवरे नहीं सुन रहे हो प्रार्थना मेरी ये क्यूँ
लेहरी नैया के खिवैया दर्शन मुझे दे सांवरे
ढूंढती फिरती हूँ तुझको.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%95%e0%a4%ac-%e0%a4%ae%e0%a4%bf%e0%a4%b2%e0%a5%8b%e0%a4%97%e0%a5%87-%e0%a4%b8%e0%a4%be%e0%a4%82%e0%a4%b5%e0%a4%b0%e0%a5%87-by-uma-lahari/